



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 412]
No. 412]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 6, 1999/आषाढ़ 15, 1921
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 6, 1999/ASADHA 15, 1921

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(विधायी विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1999

का.आ. 542 (अ).—केन्द्रीय सरकार, माध्यस्थ्यम् और सुलह अधिनियम, 1996 (1996 का 26) की धारा 44 के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि व्यक्तिकारी उपबंध कर लिए गए हैं, सिंगापुर गणराज्य को ऐसा राज्यक्षेत्र घोषित करती है, जिसमें उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची में उपवर्णित विदेशी माध्यस्थ्यम् पंचाटों की मान्यता और प्रवर्तन के बारे में अभिसमय, 11 अक्टूबर, 1960 को या उसके पश्चात् उस धारा में निर्दिष्ट प्रकृति के लिए किए गए किसी पंचाट के प्रयोजन के लिए लागू होता है।

[फा. सं. 10/5/99-विधायी III]

टी. के. विश्वनाथन, अपर सचिव

MINISTRY OF LAW JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Legislative Department)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th July, 1999

S.O. 542 (E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of section 44 of the Arbitration and Conciliation Act, 1996 (26 of 1996), the Central Government, being satisfied that reciprocal provisions have been made, hereby declares the Republic of Singapore to be a territory to which the Convention on the Recognition and Enforcement of Foreign Arbitral Awards, set forth in the First Schedule to the said Act, applies for the purpose of any award of the nature referred to in that section made on or after the 11th day of October, 1960.

[F. No. 10/5/99-Leg. III]

T. K. VISWANATHAN, Addl. Secy.

